Higher Education Campaign at Pt. Jawahar Lal Nehru PG College, Banda (2767)

बांदा हिन्दुस्तान कानपुर • मंगलवार • 15 जुलाई 2014

इग्नू का सर्वोच्चता अभियान शुरू

बांदा | हिन्दुस्तान संवाद

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय का उद्देश्य है कि कोई भी उच्च शिक्षा से वंचित न रह जाए। इग्नू में जब चाहो तब प्रवेश पाओ के तहत छात्र वर्ष में कभी भी प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। उच्च शिक्षा को गांव गांव तक पहुंचाने के उद्देश्य से शिक्षा से सर्वोच्चता नामक अभियान क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ ने प्रारम्भ किया है। जिसके अन्तर्गत महिलाओं, ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों एंव आर्थिक तथा सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों को शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

यह बातें डॉ. मनोरमा सिंह, क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ ने सोमवार को पं. जवाहर लाल नेहरू पीजी कॉलेज में आयोजित इग्नू की कार्यशाला में बताईं। उन्होंने बताया कि इग्नू के माध्यम से उच्च शिक्षा प्राप्त की जा सकती है। दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा के माध्यम से इग्नू विश्वविद्यालय लाखों विद्यार्थियों को लाभ पहुंचाते हुए आज जन-जन के विश्वविद्यालय के रूप में जाना जाता है। इग्नू की प्रवेश नीति जब चाहो तब प्रवेश पाओ के तहत छात्र वर्ष में कभी भी प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। साथ ही सामान्य कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए किसी भी प्रकार का न्यूनतम अंक सीमा, आयु सीमा निर्धारित नहीं की गई है।

सहायक क्षेत्रीय निदेशक अंशुमान उपाध्याय ने बताया कि इग्नू का प्रयास है कि हर गांव से कम से कम एक व्यक्ति उच्चतर शिक्षा से जुड़े। बताया कि वह सभी लोग जिन्होंने किसी भी प्रकार की कोई औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं की है एवं उनकी आयु 18 वर्ष से अधिक है, वह बीपीपी कार्यक्रम के माध्यम से उच्चतर शिक्षा से जुड़ सकते हैं।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नंदलाल शुक्ल ने बताया कि आने वाले समय में दूरस्थ शिक्षा एकमात्र ऐसा विकल्प होगा जिससे बहुत सारे लोगों को एक साथ उच्च शिक्षा उनके निवास स्थान पर प्रदान की जा सकती है। इग्नू अध्ययन केन्द्र जेएन कॉलेज के समन्वयक डॉ. सतीश त्रिपाठी ने बताया कि इग्नू गृह मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से एक छः माह का पाठ्यक्रम सार्टिफिकेट कोर्स इन एण्टीहयूमन ट्रैफिकिंग संचालित कर रहा है जो पुलिस एवं अन्य सुरक्षा से जुड़े कर्मियों के लिए अत्यन्त लाभदायक है।

जेएन कालेज में कार्यशाला को संबोधित करते कॉलेज प्राचार्य। • हिन्दुस्तान

कार्यशाला

- उच्चशिक्षा का बेहतर माध्यम है इग्नू : डॉ. मनोरमा
- जब चाहो तब प्रवेश पाओ, छात्र कभी भी कर सकते हैं आवेदन

अमर उजाला | बांदा

कानपुर मंगलवार 15 जुलाई 2014

इग्नू ने छेड़ा 'शिक्षा से सर्वोच्चता' अभियान

'बेटियों को पढ़ाओ, परिवार का गौरव बढ़ाओ'

अमर उजाला ब्यूरो

बांदा। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) क्षेत्रीय निदेशक डा. मनोरमा सिंह ने कहा है कि इग्नू के माध्यम से यह कोशिश की जा रही है कि उच्च शिक्षा से कोई भी महरूम न रह जाए। उम्र, स्थान या प्रारंभिक शिक्षा की बाध्यता बिना उसे उच्च शिक्षा हासिल हो। उच्च शिक्षा को गांव-गांव पहुंचाने के लिए 'शिक्षा से सर्वोच्चता' अभियान शुरु किया गया है।

सोमवार को यहां इग्नू अध्ययन केंद्र (पंडित जेएन कालेज) में छात्र-छात्राओं और मीडिया से बातचीत में क्षेत्रीय निदेशक ने कहा कि महिलाओं, ग्रामीणों, और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों को शिक्षा से जोड़ने के विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इग्नू में जब चाहो-तब प्रवेश पाओ की सुविधा है। बुंदेलखंड में महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 'बेटियों को पढ़ाओ, परिवार का गौरव बढ़ाओ' अभियान चलाया जा रहा है।

इग्नू कार्यशाला में बोलते प्राचार्य डा. एनएल शुक्ल और उनके बाएं क्षेत्रीय निदेशक डा. मनोरमा सिंह।

ललितपुर में मोबाइल स्टडी सेंटर खोला गया गया है। जरूरत समझी गई तो बांदा में भी इसकी स्थापना होगी। इग्नू सहायक क्षेत्रीय निदेशक अंशुमान उपाध्याय ने कहा कि इग्नू का प्रयास है कि हर गांव से कम से कम एक व्यक्ति उच्चतर शिक्षा से जुड़े। जिन्होंने कोई औपचारिक शिक्षा नहीं ली है और उम्र 18 वर्ष से अधिक है वह बीपीपी कार्यक्रम के तहत उच्च शिक्षा से जुड़ सकते हैं।

महाविद्यालय प्राचार्य डा. नंदलाल शुक्ल ने इस अवसर पर बताया कि जल्द ही दूरस्थ शिक्षा एकमात्र ऐसा विकल्प होगा जिससे बहुत सारे लोग एक साथ उच्च शिक्षा अपने निवास पर ले सकेंगे।

बांदा में शुरू हो सकती मोबाइल स्टडी सेंटर

अध्ययन केंद्र समन्वयक डा.सतीश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि कृषि कार्यक्रमों में गांवों में रहने वाले छात्रों को 50 प्रतिशत शिक्षा शुल्क माफ किया गया है। बीपीएल के शहरी छात्रों को भी यह छूट मिलेगी।

दैनिक जागरण बांदा, 15 जुलाई 2014

अब शुरू होंगी इग्नू की मोबाइल क्लासेज

बांदा, जागरण संवाददाता : पं. जवाहर लाल नेहरू महाविद्यालय में इग्नू की संगोष्ठी आयोजित हुई। इस मौके पर इग्नू की क्षेत्रीय निदेशक डा. मनोरमा सिंह ने महिला शिक्षा पर बल दिया और शिक्षा से सर्वोच्चता नामक अभियान के तहत उच्च शिक्षा को बुंदेलखंड के गांव-गांव तक पहुंचाने की बात कही।

सोमवार को पं. जवाहर लाल नेहरू महाविद्यालय के इग्नू केंद्र में संगोष्ठी का आयोजित की गई। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य समाज में शिक्षा से वंचित लोगों का मार्ग दर्शन करना था। इग्नू की क्षेत्रीय निदेशक डा. मनोरमा सिंह ने बताया कि इग्नू की प्रवेश नीति जब जागो तब प्रवेश पाओ जैसी है। जिसमें न कोई अंक फीसद की बाध्यता है

कार्यशाला में बोलते प्राचार्य नंदलाल शुक्ल साथ में बैठी क्षेत्रीय निदेशक डा.मनोरमा सिंह।

और न ही उम्र की। छात्र अपनी सुविधा अनुसार समय एंव स्थान के अनुसार अध्ययन कर सकता है। इसके अलावा बुंदेलखंड में महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए गांव-गांव में बेटियां को पढ़ाओ, परिवार का गौरव बढ़ाओ का नारा पहुंचाने की बात कहीं। इस मौके पर कालेज प्राचार्य नंदलाल शुक्ला ने भी इग्नू के संचालित पाठयक्रम पर प्रकाश डाला। श्री शुक्ला ने बताया कि इग्नू का प्रयास है कि उच्च शिक्षा को गांव-गांव तक पहुंचाना है। लखनऊ ललितपुर के बाद अब बांदा में भी मोबाइल क्लासेज संचालित होंगी। बीहड़ के क्षेत्रों में मोबाइल स्टडी सेंटर के माध्यम से उनके सुविधाजनक स्थान पर आयोजित की जाएंगी। जो उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने की नई पहल होगी। इस मौके पर सहायक क्षेत्रीय निदेशक अंशुमान उपाध्याय, डा. एसके त्रिपाठी, अतुल शुक्ला, सुजीत नामदेव, आदि लोगो उपस्थित रहे।